

फावली आज दिनांक नदीगण के प्रार्थना पत्र
पेश करने पर तय हो गई।

नदीगण जमीन उपस्थित। नदी स्वयं
उपस्थित। नदीगण ने प्रार्थना पत्र पेश
कर जोरि किया की नदीगण के द्वारा
उत्तिवादीगण के सिद्ध नाक दिनांक 20/10/10
को पेश किया था। परन्तु वर्तमान में नदी
शुभदी की परिस्थितियों को देखते हुए
अपना नदी चराना नदी चाहता है।
जिसमें नदी अपना वर्तमान नदी पुनः
नदी पेश करने के अपने सिद्धि,
अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए वर्तमान
पेश नदी को जोरि सिद्धि स्वीकार
करना चाहता है।

वर्षिका ने नदीगण जमीन उपस्थित।
नदीगण को पुनः पेश किया। नदी का
प्रार्थना पत्र स्वीकार कर नदीगण नदी
का नये नदी पत्र प्रस्तुत करने की
अनुमति के साथ जोरि सिद्धि स्वीकार
किया जाता है।

पत्रिका जैसा सुमार वगैर कारित्य
करते हैं।